किना सोहना लगदा एह दरबार मेरी माँ दा

किना सोहना लगदा एह दरबार मेरी माँ दा,
भगत ध्याउंदे आ दर्शन पाउंदे आ,
वंड दा मुरादा एह दरबार मेरी माँ दा,
किना सोहना लगदा एह दरबार मेरी माँ दा,

भवन तेरे ते आऊंन संगता प्यारियाँ फुला दिया हों मैं भरियाँ क्यारिया,
सदा सुख मंगा मैं मंगदी न संगा मैं,
मुड़ दा खाली एह दरबार मेरी माँ दा,
किना सोहना लगदा एह दरबार मेरी माँ दा,

जेहड़े भगता ने तेरा जगन रचाया है,
ओहना दी झोली च माये तू हर सुख पाया है ,
नाम ध्याउंदे आ तेरा गुण गाउँदे आ,
गल नाल लाउँदा एह दरबार मेरी माँ दा,
किना सोहना लगदा एह दरबार मेरी माँ दा,

उचिया पहाड़ा विच रेहन वाली मेरी माँ,
हर कण कण विच वसदा है तेरा नाम,
हाथ सिर धरदा खाली झोली भरदा,
सब दु:ख हरदा एह दरबार मेरी माँ दा
किना सोहना लगदा एह दरबार मेरी माँ दा,

तेरे दर उते प्रीत करे फर्यादा माँ,
साड़ियां भी करदे तू पूरियां मुरादा माँ,
दर्श दिखा दे माँ बेहड़ी बने ला दे माँ,
पार लगाउँदा एह दरबार मेरी माँ दा,
किना सोहना लगदा एह दरबार मेरी माँ दा,

Source: https://www.bharattemples.com/kina-sohan-lagda-eh-darbar-meri-maa-da/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw